GDC MEMORIAL COLLEGE

BAHAL (BHIWANI)-127028

Lab Manual

Psychology (B.A 3rd Semester)

Department of Psychology

Sr. No.	Name of the Experiment
1	Altruism Scale
2	Stereotypes
3	Measurement of Attitude
4	Sociometry
5	Leadership Styles

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT:-1

Title:-

परोपकारिता का अध्ययन करना।

Introduction:-

Meaning of Altruistic behavior:- प्राणी को स्वभाव से ही स्वार्थी माना जाता है। यह धारणा मनुष्य के बारे में भी प्रचलित है अर्थात् व्यक्ति जो कुछ भी करता है उसके पीछे उसका स्वार्थ या निजी उद्देश्य दिया रहता है, परन्तु यह पूर्णतः सत्य नही हैं। मनुष्य ऐसे भी कार्य करता है जिनका संबंध उनको अपने स्वार्थ नही होता। ऐसे व्यवहारों को परोपकारी व्यवहार कहा जाता है, इसे समाज उपयोगी भी कहते हैं।

Definition:-

Bathus Rothes के अनुसार बिना स्वार्थ के अनुसार के प्रति चिंतित होना, परोपकारिता कहलाता है, उपयोगी व्यवहार वह है जिसमें व्यवहार करने वाले को स्पष्ट लाभ नही होता, बल्कि उन्हें कुछ जोखिम उठाना पड़ता है। ऐसे कार्य नैतिक आचरण पर निर्भर है।

परोपकारिता को प्रभावित करने वाले कारकः–

1. **परिस्थिति जन्य कारणः–**

सहायता की पुकार यदि कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह सहायता के लिए इस प्रकार चिल्लाता है जैसे बड़ी मुश्किल आ गई हो वो लेग सहायता के लिए आगे आ जाते हैं।

i. दर्शक प्रभावः–

परोपकारिता व्यवहार घटना घटित के समय या बाद में एकत्रित दर्शकों की संख्या से भी प्रभावित होती है। लैटन तथा ड्रसे के अनुसार घटना के समय उपस्थित लोगों की संख्या काफी अधिक होती है। एक व्यक्ति यदि आगे आता है तो ओर व्यक्ति भी आगे आते है।

ii. दर्शको की संख्या अधिक हो तो परिस्थिति को आपातकालीन न मानते हो तो वह सहायता के लिए पहल करते हैं।

iii. यदि दर्शक परस्पर अपरिचित है तो दुर्घटना में फँसी व्यक्ति के लिए आने में संकोच करेंगे।

2. **व्यक्तित्व कारकः–**

i. **समानताः–** यदि सहायता करने वाले और सहायता पाने वाले व्यक्ति में व्यावहारिक वैचारिक अन्य प्रकार की समानता है तो परोपकारिता का व्यवहार शीघ्र पैदा होगा।

ii. **प्रजातिः–** ऐसे लोग एक–दूसरे की सहायता जाति या कर्म के आधार पर करते हैं परन्तु ऐसा हमेशा नही होता जो मानवतावादी है ते जाति धर्म देखे बगैर ही सहायता करते है।

परोपकारिता में वृद्धि करनाः–

समाज के लिए परोपकारिता की किसी अधिक उपयोगिता है इसे प्रोत्साहन किया जाना चाहिए जिसमें समाज तथा मानवता की रक्षा ही परोपकारिता की वृद्धि करने के कुछ उपाय निम्नलिखित हैः–

i. **अस्पष्टता कम करनाः–**

यदि कुछ लोग पीड़ित व्यक्ति की सहायता करने के लिए पहल कर दे तो वह अन्य लोग भी पीड़ित व्यक्ति की सहायता के लिए तैयार हो जाते हैं।

ii. **उत्तरदायित्व में वृद्धि करनाः–**

यदि लोगों में मानवता व मानवीय संवेदना की भावना बढ़ा दी जाए तो वे परोपकारिता व्यवहार में रूचि लेने लगते हैं।

iii. **परोपकारिता मॉडलिंगः–**

अन्य व्यवहारों की तरह परोपकारिता व्यवहार का भी अनुकरण अधिकतम कराया जा सकता है।

समस्याः–

विभिन्न प्रयोज्य की परोपकारिता व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परीक्षण सामग्रीः–

Altrisum test, manal, pancil paper, pen etc.

प्रयोज्य का परिचयः–

Name - Reetu

Class - B.A. IInd year

Year - 18 years

Education - B.A.

Village - Bahal

Procedure:-

निर्देशः– इस परीक्षण को कुछ कथन दिए गए है जिनके सम्मुख तीन विकल्प उत्तरों के भी दिए है। अगर आप कथन से सहमत है तो सहमत वाले खाने में इस कथन के सम्मुख सही का चिन्ह लगा दे। इसी प्रकार अगर आप कह नही सकते व असहमत से आपका कथन संबंधित है तो कथन के सामने उस बॉक्स के नीचे सही का निशान लगा दे। समय की कोई सीमा नही है। आपको सभी कथनों का उत्तर देना है।

Administration:-

सबसे पहले प्रयोज्य के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए गए और प्रयोज्य को परीक्षण से संबंधित निर्देश दिए गए। प्रयोग को पूरा करने के लिए समय सीमा नही है। इसमें प्रयोज्य सबसे पहले एक–एक प्रश्न को पढ़ता है और साथ–साथ अपनी अनुक्रिया देता है। सहमत, कह नहीं सकते असहमत में देता है। और ज वह परीक्षण पूरा कर लेता है तो उससे यह फॉर्म वापिस ले लिया जाता है और प्रयोज्य को धन्यवाद से विदा किया जाता है। इस test में 25 प्रश्न है जिसमें धनात्मक की scoring 3,2,1 में की जाएगी।

Result and discussion:-

Positive item

1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,11,14,15,16,17,18,19,20,21,24,25.

Negative item:-

9,12,13,22,23 प्रस्तुत परीक्षण परोपकारित व्यवहार के बारे में पता चलता है। मेरे प्रयोज्य के Altruism test में score 58 आया जिस से उसके High Altruistic behavior का पता चलता है। मेरे प्रयोज्य के experimental test के परिणामों से पता चलता है कि मेरा प्रयोज्य अधिक परोपकारिता व्यवहार वाला व्यक्ति है। उसका व्यवहार दूसरों के प्रति अधिक परोपकारी है। वह अन्य लोगों की सहायता बिना किसी उम्मीद के निः स्वार्थ भाव से करता है।

EXPERIMENT:-2

Title:-

Stereotypes का अध्ययन करना।

Introduction:-

Meaning of stereotype:- रूढ़ियुक्ति शब्द अंग्रेजी भाषा के शब्द 'stereotypes' का हिन्दी रूपांतर है। सर्वप्रथम इस शब्द का प्रयोग 'public opinion' पुस्तक में किया गया। According to young ये गलत वर्गीकरण करने वाली धारणाएँ है। जिसके साथ पसंद या नापसंद स्वीकृति या अस्वीकृति की प्रबल संवेगात्मक भावना जुड़ी होती है। फ्रायड़ ने रूढियूक्तियां आमतौर में स्थिर होती है। ये समाज के बड़े हिस्से द्वारा स्वीकृति होती है। इसमें धर्म का अपना कोई मत नहीं होता है। शरीर, संरचना, लिगं, भेद, व्यवसाय राष्ट्र तथा प्रजाति व धर्म से संबंधित रूढियुक्तियाँ देखने को मिलती है। ये भविष्यवाणी में सहयोग होती है। प्रचार में इनका प्रयोग होता है। कभी–कभी हिंसा में भी इनका योगदान होता है। लेकिन कई बार इसमें परिवर्तन देखने को भी मिलता है।

Definiton:-

सेकर्ड तथा बैकमैन के अनुसार, रूढ़ियुक्ति प्रतीकीकरण पर एक अतिरंजित रूप है।

Problem:-

प्रयोज्य से विभिन्न राष्ट्रो के व्यक्तियों के बारे में उसकी रूढ़िवादिता को जानना कि वो उनके बारे में कैसी धारणा है क्या सोचता है।

Introduction to Subject:-

Name - Rekha
Age - 18 years
Sex - Female
Class - B.A. 2nd Year

Material Required:-

एक पैन या पैंसिल, रबड़ एक प्रश्न पर जिसमें विभिन्न देशों के बारे में एक गुणों की सुची है जिसमें से प्रयोज्य को कोई 5 बतानी है।

Instruction:-

इसमें 19 शील गुणों की एक सूची दी गई है जो व्यक्तित्व व शारीरिक विशेषताओं से संबंधित हैं ये विभिन्न देशों के लोगों के बारे में प्रयोज्य की सेच को जानने के लिए किसी देश के व्यक्ति में इन गुणों से ज्यादा भी हो सकती है और कम भी। जिन देशों के लिए अपने 5–5 प्रमुख गुणों को चुनना है। उन देशों के नाम अलग–अलग दिए गए है। इसके लिए सर्वप्रथम संपूर्ण शीलगुण सूची अच्छी तरह पढ़ ले और जो शीलगुण आपके व्यक्ति विशेष से के लिए अधिक मेल खाते है। उनमें पाँच उनके नामों के आगे चिह्न लगाए। यह ध्यान रहे कि ये विशेषताएँ या गुण सकारात्मक या नकारात्मक दोनों प्रकार के हो सकते है। इच्छानुसार 5–5 गुणों को चुनना है। किसी को छोड़ना नही हैं इस कार्य को आप जल्दी से करे।

Procedure:-

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आराम से बैठाया गया तथा उपरोक्त निर्देश दिए गए। इसके पश्चात् प्रयोज्य को शीलगूणों की सूची उपलब्ध कराई गई। तब निर्देशानुसार शीलगुणों पर चिह्न लगाने को कहा गया यद्यपि समय सीमा का कोई प्रावधान नही है फिर भी कार्य शीघ्र करने के लिए कहा गया।
जैसे ही प्रयोज्य ने कार्य पूरा कर लिया परीक्षण सामग्री उससे वापिस ले ली गई तथा प्रयोज्य का आभार प्रकट कर उसे जाने दिया गया।

Result and Discussion:-

इस दिए गए परीक्षण पर प्राप्त प्रयोज्य अनुक्रियाओं को तालिका में दिखाया जाना चाहिए। मेरा प्रयोज्य अमेरिकन के प्रति सकारात्मक भाव रखता है। पाकिस्तानी के प्रति नकारात्मक भाव रखता है। चाईनीज के प्रति भी मेरा प्रयोज्य सकारात्मक भाव रखता है। इस प्रकार रूसी के प्रति मेरा प्रयोज्य सकारात्मक भाव रखता है। इसी प्रकार मेरा प्रयोज्य राष्ट्रीयता के प्रति सकारात्मक भाव रखता है।

EXPERIMENT:-3

Title:-

Attitude का अध्ययन करना।

Introduction:-

Meaning of Attitude:- अभिवृति शब्द अंग्रजी के Attitude शब्द का हिन्दी रूपांतर है तथा Attitude की उत्पति लैटिन भाषा के 'एप्टस' से हुई है। एप्टस शब्द से अभिप्राय है योग्यता या सूविधा। मनोवृति एक ऐसा शब्द है जिसका प्रयोग हम दिन–प्रतिदिन की जिन्दगी में हमेशा करते हैं। साधारण अर्थ में मनोवृति व्यक्ति के मन की एक विशिष्ट दशा होती है। जिसके द्वारा वह समाज की विभिन्न परिस्थितियों, वस्तुओं, व्यक्तियों आदि के प्रति अपने विचार या मनोभाव को प्रकट करता है। विशिष्ट विचार या मनोभाव को प्रकट करता हैं विशिष्ट विचार या मनोभाव को साधारण अर्थ में मनोवृति कहा जाता है।

Definition:-

शेरिफ तथा शेरिफ के अनुसार अभिवृति सम्बन्धित उद्दीपकों, व्यक्तियों या घटनाओं के संदर्भ में व्यवहार के स्थिर प्रकार या उसकी विशेषताओं को निधार्रित करती है।

अभिवृतियों की विशेषताएँः–

1. **अभिवृति अपेक्षाकृत स्थायी होती हैः–** अभिवृतियो में निरन्तरता और स्थिरता का गुण आ तो जाता है लेकिन नए समाज और वातावरण में प्रवेश करते ही अभिवृतियाँ भी उनके अनुसार बदल जाती है।
2. **अभिवृतियाँ जन्मजात नही होतीः–** अभिवृति को सीखा जाता है या उन्हें अर्जित किया जाता हैं ये जन्मजात नही होती व्यक्ति अपने परिवार पड़ोस, मित्रों, समाज तथा विभिन्न सामाजिक धार्मिक और राजनैतिक संस्थाओं से इन अभिवृतियों के बारे में सीखता हैं
3. **अभिवृतियाँ व्यवहार को दिशा प्रदान करती हैः–** अभिवृतियाँ मानव व्यवहार को प्रभावित भी करती है तथा वे दिशा भी प्रदान करती हैं हम किसी भी व्यक्ति की अभिवृतियों को जानकर उसके व्यवहार को आसानी से समझ सकते हैं।
4. **मनोवृति में प्रेरणात्मक गुण होता हैः–** मनोवृति एक बार विकसित हो जाने के बाद सामान्यतः स्थायी –सी होती है। परन्तु परिस्थिति में परिवर्तन होने पर या कुछ नये कारकों के उत्पन्न होने पर मनोवृति में परिवर्तन भी हो जाता है।
5. **मनोवृति में तीव्रता का गुण होता हैः–** ऐसा देखा गया है कि मनोवृति चाहे अनुकूल हो या प्रतिकुल उसमें तीव्रता का गुण होता है।

Factor affectiong of formation and development:-

1. प्रेरणात्मक कारक
2. समुह प्रभाव
3. समूह विश्वास
4. समूह मूल्य
5. समूह मानक या मानदण्ड
6. व्यक्तित्व
7. आवश्यकताओं का पूरा होना
8. प्रत्यक्ष सुचना
9. सीखना का अधिगम
10. क्लासिकल अनुबंधन
11. साधनात्मक अनुबंधन
12. प्रेरणात्मक सीखना
13. सवेंग

14. परिवार
15. संस्कृति
16. प्रचार का माध्यम
17. सामाजिक संस्थाएँ।

Problem:-

डॉ. ओडी शर्मा के अनुसार development attitude का मापन करना।

Introduction to subject:-

Name - Nisha
Class - B.A. 2nd Year
Age - 18 Years
Sex - Female

Material Required:-

DA Scale, Pencil, Pen, Paper etc.

निर्देश:–

I. अगले पृष्ठ पर आपके लिए कुछ कथन दिए गए है। उत्तर हेतु प्रत्येक कथन के सामने पाँच वर्ग दिए गए है जो क्रमशः पूर्णतः सहमत, सहमत अनिश्चित, असहमत, पूर्णतः असहमत के रूप में आपकी राय प्रकट करने के लिए है।

II. प्रत्येक प्रश्न आपको सावधानी से पढ़ना है तथा फिर जिस कथन के बारे में आपकी अपनी जो प्रथम राय है। उसके अनुसार सामने दिए गए पाँच विकल्पों पूर्णतः सहमत, सहमत अनिश्चित, असहमत, पूर्णत। असहमत में से किसी एक से संबंधित वर्ग में सही का निशान लगा दे।

III. आपके उत्तर पूर्णतः गोपनीया रखे जाऐगें। अतः आपने उत्तर निर्भिकता व ईमानदारी से देने हैं।

Procedure:-

प्रयोज्य को उपरोक्त निर्देश के बाद परीक्षण सामग्री दी गई तथा निर्देशानुसार कार्य करने के लिए कहा गया। तब निर्देशानुसार उन विकल्पों पर चिह्न लगाने के लिए कहा गया जैसे ही प्रयोज्य ने कार्य पूरा कर लिया। प्रयोज्य से परीक्षण सामग्री वापिस ले ली गई तथा प्रयोज्य को धन्यवाद सहित विदा किया गया।

Result and Discussion:-

मेरे प्रयोज्य के experimental test में row score 73 आया जिससे पता चलता है कि उसका level of attitude high है। प्रयोज्य के इस experimental test से पता चलता है कि प्रयोज्य के attitude का विकास उच्च स्तर पर हुआ है। उसके attitude का development high level पर हुआ है।

EXPERIMENT:-4

Title:-

सामाजिक मैट्रिक्स से अर्न्तव्यक्ति संबंधो का अध्ययन करना।

Introduction:-

Meaning of sociometric :- समूह एक सामाजिक इकाई है। इसकी अपनी एक सरंचना होती है और यह निश्चित कार्य करता है। इसमें सदस्यों को अपने विनियमित करने में कुछ नियम भी होते है। यह नियम यह निर्धारित करते हैं कि किसी परिस्थिति में कौन–सा व्यवहार बहुत अच्छे व्यवहारों के लिए पुरस्कार और उल्लघंन करने पर दण्ड देना चाहिए।

Definition:-

समाजमितीय वैज्ञानिक प्रेक्षण का प्रारूप है जो समाज शास्त्र तथा समाज मनोविज्ञान के अमितीय माना जाता है।

इस विधि में attitude का प्रयोग किया जाता है। इसमें सबसे अधिक जाँच की जाने वाली विमा, पसंद या साधारण अन्तः व्यक्तिक आकर्षण का प्रयोग किया जाता है तथा इनमें अन्तः व्यक्तिक प्रभाव या सम्मान और प्रशंसा आदि का अध्ययन किया जाता है। समाजमिति की एक प्रक्रिया में अन्तः व्यक्तिक सम्मान और प्रशंसा आदि का अध्ययन किया जाता है। समाजमिति की एक प्रक्रिया में अन्त– व्यक्तिक सम्मान और प्रशंसा में से किसी एक विमा के बारे में एक शाब्दिक कथन प्रस्तुत किया जाता है। इस कथन को समाजमिति मापदण्ड या कसौटी का नाम दिया जाता है। समाजमिती के आँकड़े इकटठे करने में समाजमिति मापदण्ड का कथन ही सबसे बड़ी समस्या होती है। Moreno ने इस संबंध में एक सुझाव दिया था कि अमुर्त कथनों की अपेक्षा मूर्त कथनों द्वारा अधिक अर्थपूर्ण समाजमिति के आँकड़े इकट्ठे किए जा सकते हैं। समाजमितिय मैट्रिक्स संख्याओं या अन्य वस्तुओं का एक आयताकार प्रदर्शन को कहा जात है। समाजमितिय मैट्रिक्स वह मैट्रिक्स होती है जो वर्गाकार अर्थात् ivxiv यह N से तात्पर्य समूह के सदस्यों की संख्या से होता है जिसमें मैट्रिक्स को Row or Column बराबर होते है।

किसी भी समाजमितिय मैट्रिक्स का विश्लेषण यह देखते हुए किया जाता है कि कौन किसे चुनता है या पसंद करता है। सामान्यतः तीन तरह की पसंद देखने को मिलती है।

- साधारण या एक तरफ पसंद
- पारस्परिक पसंद
- कोई पसंद नहीं
- साधारण या एक तरफा पसंद वह पसंद है जसमें एक सदस्य तो दूसरे सदस्यों को पसंद करता है परन्तु दूसरा पहले वाले को पसंद नही करता है।
- पारस्परिक पसंद में दोनों ही एक दूसरो को पसंद करते है।
- समूह में कुछ व्यक्ति ऐसे होते है जिन्हें कोई पसंद नही करता और वे भी किसी को पसंद नही करते।

समाजमितिय मैट्रिक्स के विश्लेषण से समूह के बारे मे सामान्यतः निम्नलिखित तरह की सूचनाएँ मिलती है:–

I. समूह में कुछ छात्र या व्यक्ति ऐसे होते हैं जिन्हें अधिकतर छात्र पसंद करते है। ऐसा छात्र समूह में सबसे अधिक लोकप्रिय होता है। ऐसे छात्र के समाजमितिय मैट्रिक्स के Column का प्रयोग सबसे अधिक होता है।

II. समूह मे कुछ ऐसे होते है जो दूसरों को पसंद नहीं करता है। ऐसे व्यक्ति को बहिष्कृत व्यक्ति कहा जाता है।

III. समूह में कुछ व्यक्ति ऐसे होते है जो तीन का एक समूह बना लेते है जिसमें वे सभी एक–दूसरे को पसंद करते है और किसी अन्य को नही और न ही कोई दूसरा इन तीन को पसंद करता है। इस तरह के समूह को गुप्त समूह कहा जाता है।

IV. कुछ व्यक्ति समूह में दो–दो का एक समूह बना लेते है जिसमें वे ही एक–दूसरे को पसंद करते है इस तरह के युग्म को पारस्परिक युग्म कहा जाता है।

V. समुह में कुछ सदस्य ऐसे भी होते है जो किसी भी अन्य सदस्य को पसंद नही करते और न ही कोई दूसरा सदस्य इनको पसंद करता है। इस तरह के सदस्य को अकेला सदस्य कहा जाता है।

Problem:-

समाजमिति विधि के द्वारा समूह की सरंचना का अध्ययन करना।

Subject Particular:-

10 व्यक्तियों का समूह।

Materialused:-

Paper, Pencil, Pen, Performa etc.

Instruction:-

10 सदस्यों वाले समूह के प्रत्येक सदस्य के सामने अग्रलिखित प्रश्न प्रस्तुत किया गया। इन सदस्यों के एक–एक को चुनना होगा जिसे वो पसंद करता हो अपने आप चयन आपको दिए गए कागज पर लिखित रूप में देना है। आप के चयन के बारे में पूरी गोपनीयता रखी जाएगी।

Administration:-

सर्वप्रथम एक छोटा–सा समूह चुन लिया गया। इस समूह में 7 सदस्य थे। प्रत्येक सदस्य से सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया गया और उसके सामने निर्देश प्रस्तुत किए। प्रत्येक सदस्य ने अपनी अनुक्रिया लिखित रूप में प्रस्तुत की इस प्रकार सभी सदस्य अपना चयन अभिव्यक्त करते है। यदि सभी सदस्य किसी व्यक्ति का चयन करते है तो चयन को (√) द्वारा दर्शाया गया और चयन अभाव को (×) द्वारा दर्शाया गया। इस प्रकार समाजमितिक चयन की रचना की गई

Result and Discussion:-

इस मैट्रिक्स से पता चलता है सदस्य 4 star है। इसको 3,5,6,7 सदस्य पसंद करते है। इसके बाद सदस्य और 2 like करता है। two को one like करता है। यह एक pair है। इसके बाद सदस्य 8–9 को पसंद करता है। 10–8 को पसंद करता है यह सदस्यों से tringle बनवाता है। यह एक sociometric विधि है।

BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT:-5

Title:-

नेतृत्व शैली।

Introduction:-

Meaning of Leadership:- प्राणी अधिकतर समूह में रहते हैं। समूह में नेतृत्व दिखाई देता है। मानव समाज में रहते हैं। समूह में नेतृत्व दिखाई देता है। मानव समाज पर भी यह सम्प्रत्यय दिखाई देता है। अलग–अलग समाजो औधोगिक एवं कार्यो के क्षेत्रों में नेतृत्व दिखाई देता है।

Definiton:-

According to K. Young, नेतृत्व एक ऐसा प्रभुत्व वाला प्रतिष्ठित पद है जिसे नियंत्रित करने मार्ग दिखाने या दूसरों के व्यवहार प्रतिमानों की निश्चित करने की योग्यता प्राप्त होती है।

अनेक मनोवैज्ञानिक के नेता के कार्य करने के ढंग तथा कार्यो के आधार पर इसके अलग–अलग प्रकार बताये है। Young के अनुसार राजनैतिक, समाज सुधारक, नौकरशाह, आंदोलनकारी, कुटनितिज्ञ नेतृत्व है।

Autocratic and democratic leadership:-

a. **Autocratic leader:-** अत्यधिक शक्तिशाली स्वंय नीति बनाने वाला पारस्परिक संबंधो के निर्देश देने वाला होता है। इस प्रकार का नेतृत्व आक्रमणकारी, घृणा, दोष, चापलुसी पसंद तथा प्रभूत्व स्थापित करने वाला होता है।
b. **Democratic Leader:-** इसकी विशेषता यह है कि यह पारस्परिक संबंधो को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त नेतृत्व कार्य के उद्देश्य का निर्धारण समूह की भावनाओं को ध्यान में रख कर करता है।

Problem:-

नेतृत्व शैली के प्रति प्रयोज्य की वरीयता का अध्ययन करना।

Introduction of Subject:-

Name - Renu
Age - 18 years
Sex - Female
Class - B.A. 2nd year

Material required:-

L.P. scale, Paper, Pencil etc.

Instruction:-

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आराम पूर्वक बैठाया गया तथा सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए गए। उसे परीक्षण संबंधी निम्नलिखित निर्देश दिए गए। इस कथन को ध्यान से पढ़े।

I. प्रत्येक कथन के सामने 5 विकल्प दिए गए है।
II. आपके विचार में दिए गए विकल्पों में जो विकल्प सबसे अधिक उपयुक्त हो उसकी क्रम संख्या को घेर दो। यदि आप कथन से बिल्कुल सहमत है तो 5 को घेर दो। उपर घेरा लगाए। जब असहमत या सहमत में उत्तर देना असंभव हो। यदि आप केवल सहमत है तो 4 पर घेरा लगाएँ। यदि बिल्कुल असहमत है तो 1 पर घेर लगाएँ आप प्रत्येक बात ध्यान से पढ़े और उत्तर दें।

Procedure:-

प्रयोज्य को उपरोक्त निर्देश देने के बाद परीक्षण सामग्री दी गई तथा निर्देशानुसार कार्य करने के लिए कहा गया। लगभग 7–8 मिनट बाद जैसे ही प्रयोज्य ने परीक्षण कार्य पूर्ण कर लिया। प्रयोज्य से परीक्षण सामग्री वापस ले ली गई। उसके बाद देखा गया कि सभी प्रश्नों को उत्तर दिए हैं या नहीं और उसको धन्यवाद सहित विदा किया। प्रयोज्य के उत्तरों को manual के अनुसार अंक प्रदान किए गए। नकारात्मक कथनों में यह प्रक्रिया उत्तर दी गई।

Result and Discussion:-

मेरे प्रयोज्य के नेतृत्व के संबंध में experimental test में range of row score 80 आया जिसकी range of z-score – 0.5 to -1.25 है। मेरे प्रयोज्य की नेतृत्व के स्तर की grade E है जिससे पता चलता है कि उसको नेतृत्व का स्तर above average autocratic है। परिणामों से पता चलता है कि मेरा प्रयोज्य सत्यवादी नेतृत्व वाला व्यक्ति है। वह अपने नीति और निर्णय स्वंय ही बनाता है। वह अपने नेतृत्व के संबंध में निर्णय लेते समय अपने सदस्यों के निर्णय को शामिल नही करता।

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT:-6

Title:-

Aggression – आक्रामकता

Introduction:-

Meaning of Aggression:- आक्रामकता शब्द एक प्रकार की समस्या का प्रतिनिधित्व करता है तथा यह शब्द सार्वभौमिक है। इस शब्द का अर्थ समझना अति आवश्यक है। आरनोल्ड वास के अनुसार आक्रामकता एक ऐसा व्यवहार है जो दूसरों को हानि या कष्ट पहुँचाता है।

Definition:-

- **चैपलिन (1975) के अनुसार** आक्रामकता से अभिप्राय दूसरों के प्रति प्रहार करना या हानि पहुँचाना अनादर करना, या दुर्भावपूर्ण आरोप करना, सख्त दण्ड देना या परपीड़क व्यवहारों में लगे रहना है।
- **बार्चेल और कपूर के अनुसार,** आक्रामकता या आक्रमक व्यवहार है जिसे लक्ष्य को हानि पहुँचाना है।

Types of Aggression:-

आक्रामकता या आक्रमक व्यवहार विभिन्न प्रकार का हो सकता है। ये विभिन्न निम्न है–

1. **शारीरिक आक्रामक व्यवहार:–** इस प्रकार के व्यवहार के अन्तर्गत व्यक्ति अपने शारीरिक बल का प्रयोग करके दूसरे व्यक्ति को हानि या कष्ट पहुँचाता है।
2. **मौखिक आक्रामक व्यवहार:–** इस प्रकार के आक्रामक व्यवहार के अन्तर्गत व्यक्ति मौखिक आक्रामक व्यवहार का ही प्रयोग करता है।
3. **प्रत्यक्ष आक्रामक व्यवहार:–** इस प्रकार के आक्रामक व्यवहार के अन्तर्गत व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से लक्ष्य प्राप्ति के प्रति अप्रत्यक्ष रूप से आक्रामक व्यवहार किया जाता है।
4. **अप्रत्यक्ष आक्रामक व्यवहार:–** यह वह आक्रामकता व्यवहार होता है जिसमें एक कर्मचारी अपने अधिकारी के विषय में बातचीत के माध्यम से अप्रत्यक्ष ढंग से आक्रामकता का प्रदर्शन करना।
5. **सक्रिय आक्रामकता**
6. **निष्क्रिय आक्रामकता**
7. **संवेग आधारित आक्रमकता**
8. **नैमित्तिक आक्रामकता।**

समस्या:–

प्रयोज्य के आक्रामक व्यवहार का मापन करना।

प्रयोज्य का परिचय :–

Name - Reetu
Class - B.A. 2nd year
Age - 18 years
Sex - Female

आवश्यक सामग्री :–

Aggression scale by bal and naqvi (1986) manual, paper, pen etc.

निर्देश :–

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आरामपूर्वक बैठाकर उसके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए गए तथा निम्न निर्देश दिए गए। इस प्रपत्र में आपसे सबंधित कुछ कथन दिए गए। प्रत्येक प्रश्न के सामने कुछ उत्तर दिए हुए है जिन्हें आप ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा जिस उत्तर से आप सर्वाधिक सहमत हो उसके सामने कोष्ठक में सही का निशान लगा दें।

प्रक्रिया :–

प्रयोज्य को आरामपूर्वक बैठाकर उपरोक्त निर्देश दिए जाए। तदुपरान्त प्रयोज्य को परीक्षण सामग्री उपलब्ध करवाकर निर्देशानुसार कार्य करने को कहा गया। यद्यपि परीक्षण पूर्ण करने के लिए निश्चित समय सीमा नही थी। फिर लगभग 5 या 7 मिनट पश्चात् जैसे ही प्रयोज्य ने परीक्षण सामग्री वापस ले ली गई। फिर उसे धन्यवाद कहकर विदा कर दिया गया।

Result and Discussion:-

प्रस्तुत परीक्षण पर मेरे प्रयोज्य का अंक 10 प्राप्त हुआ। मानक तालिका के अनुसार मेरी प्रयोज्य clean aggression आक्रामक व्यवहार की श्रेणी में आती हैं। इसके कारण हो सकते है जैसे – समाजीकरण तथा समाज में आक्रामक व्यवहार के प्रति अस्वीकार्यता।

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

GDC MEMORIAL COLLEGE

BAHAL (BHIWANI)-127028

Lab Manual

Psychology (B.A 4th Semester)

Department of Psychology

Sr. No.	Name of the Experiment
1	Emotional maturity scale
2	Self Concept Scale
3	Self esteem scale
4	Measurement of impulsive
5	Family Environment inventory

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT-1

शीर्षकः— Emotional maturity scale

परिचयः—

परिपक्व एक ऐसा प्रक्रम है जिसमें मानव प्राणी अपने माता–पिता से स्वतंत्रता, अपनी शत्रुता, कामुखता व अन्य आवेगों पर नियंत्रण, हीन भावना से छुटकारा वास्तविकता की भावना नम्यता व अनुकूलन परिवर्तन का अर्थ संवेगों में स्थिरता तथा अनुकूलन में नम्यता से लिया जाता है। संवेगात्मक रूप से परिपक्व व्यक्ति की भिन्न अवस्थाएँ होती हैं। व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि को विलंबित करने की क्षमता रखता है। वह कुछ मात्रा में कुंठा को सहन कर सकता हे। वह लंबी योजनाएँ बनाता है। वह परिस्थितियों की मांगो पर पुनः विचार कर सकता है। वह अपने तथा अन्य व्यक्तियों के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन कर सकता है। वह अपनी योग्यताओं तथा क्षमताओं का इस्तेमाल करने पर प्रसन्न होता है। वह उत्तेजनाओं के प्रति प्रारंभिक रूप या विभिन्न अंशो से अनुक्रिया करता है। प्राचीन काल से ही परिपक्व की चर्चा होती रही है परन्तु विज्ञान को परिधि में मनोलगिक विकास की अवस्थाओं की चर्चा करते हुए इसकी ओर संकेत किया है। genet level and object interest के रूप में प्रतिगत्यात्मक निर्भरता और प्रगतिशील उत्पादक बलों के बीच अंतर्द्वद्व पर प्रकाश डाला है।

जब बच्चा जन्म लेता है तो वह अपने माता–पिता पर पूरी तरह से निर्भर रहता है। समय के साथ–साथ वह अपने माता–पिता से स्वतंत्र हो जाता है और एक वक्त ऐसा आ जाता है जब वह जनक बन जाता है और अपने बच्चों का पालन–पोषण करने लग जाता है।

इस प्रकार वह हीनता के चंगुल से छुटकारा पाने की कोशिश करने लगता है। इस प्रकार से वह समाजीकरण के माध्यम से (+) तथा (–) संवेगो से नियंत्रित तथा अभिव्यक्ति करना सीख लेता है। वह वास्तविकता से दृढ़ विश्वास कर लेता है। वह अपने अंदर लचीलापन व अनुकूलन प्रदान कर लेता है।

समस्याः—

डा. रामपाल द्वारा रचित संवेगात्मक परिपक्वता scale सहायता से प्रयोज्य के संवेगात्मक परिपक्वता स्तर का मापन करना।

प्रयोज्य परिचयः—

Name - Reetu
Age - 19 Year
Edu - B.A
Sex - Female
Cast - Sunar

सहायक सामग्रीः—

प्रो. रामपाल द्वारा रचित Emotional maturity scale उत्तर पुस्तिका, मैनुअल, पैन इत्यादि।

निर्देशः—

आपके व्यक्तित्व से संबधित कुछ कथन दिए गए हैं। इस परीक्षण के साथ आपको उत्तर भी दिए हुए है। लेकिन जिस उत्तर से आप पूर्ण रूप से सहमत हो उसके आगे (√) चिन्ह अंकित करें। याद रहे केवल एक ही उत्तर का सही का (√) का निशान लगाना है। समय की कोई पाबंदी नही है परंतु फिर भी कोई यथाशीघ्र कार्य करने का प्रयास करें। याद रहे सभी कथनों का उत्तर देना है।

परीक्षण प्रक्रियाः—

प्रयोज्य को आरामपूर्वक बैठाया गया। उसके साथ सौहार्द पूर्ण संबंध स्थापित किए इसके बाद उसे निर्देश समझाए गए। निर्देश समझााने के बाद प्रयोज्य ने अपना कार्य शुरू किया तथा प्रत्येक प्रश्न को पढकर उत्तर

पुस्तिका पर बने प्रश्न के सामने पाँचो विकल्पों में से किसी एक पर सही का निशान लगाकर उसने अपने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रयोज्य के उत्तरों को सामने मैनुअल में दी गई स्कोरिंग परोसीजर के अनुसार पूर्णता सहमत को 5, सहमत को 4, सामान्य को 3, असहमत को 2 तथा पूर्णतः असहमत को 1 नम्बर दिया गया। बाद में सभी 48 आइटम के स्कोर का कुल योग किया गया। प्रयोग पूर्ण होने के पश्चात् प्रयोज्य को धन्यवाद विदा किया।

परिणाम तथा व्याख्याः–

कुल फलांक 149 मैनुअल को देखने से पता चलता है कि प्रयोज्य उच्च वर्ग में आता है। यह वर्ग 'stable' को दर्शाता है। इससे यह पता चलता है कि प्रयोज्य की संवेगात्मक परिपक्वता उच्च स्तरीय स्थिरता वाली विशेषता रखती है। यह आवेगो पर नियंत्रण व आवश्यकताओं की संतुष्टि को विलबिंत करने की क्षमता रखता है। इस प्रकार मेरे प्रयोज्य की संवेगात्मकता स्थिरता उच्च स्तरीय हैं।

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT-2

शीर्षकः–

Self Concept Scale

परिचयः–

व्यक्तिगत व समाज मनोविज्ञान में आत्म प्रत्यय का विशिष्ट स्थान रहा। मनोविज्ञान साहित्य का एक बड़ा कुंज हैं। आत्म–सम्प्रत्यय से विभिन्न अव्यय प्रकांशी विकास संबधों अपने बारे में प्रत्यत्रीकरण विकास मुल्यों अभिवृतियों आदि के व्यवस्थित एकत्रीकरण से है। एक व्यक्ति अपने गुणों व व्यवहार आदि के संबंध में जो मत रखता है। वह एक उसका आत्म प्रत्यय होता है। सभी व्यक्तियों में आत्म प्रत्यय दिखाई देता है लेकिन केवल सरंचना का अंतर होता है। आत्म प्रत्यय अपेक्षाकृत केंद्रित व परिवर्तनीय है। केंद्रीय आत्मप्रत्यय अधिक धनात्मक व ऋणात्मक हो सकते है। आत्मप्रत्यय की सरंचना उसकी स्पष्टता होती है। इसमें व्यक्ति स्वंय के बारे मे विचारधाराएँ और विश्वास को किस सीमा तक स्पष्ट करता है। यह उसकी आत्म सम्प्रत्यय का निर्धारण करती है। स्पष्टता जितनी अधिक होती है आत्म प्रत्यय उतना ही ऊँचा होता है। आत्म प्रत्यय अंतः संबधित भी होता है। और अपेक्षाकृत सरल भी होता है।

आत्म प्रत्यय दो प्रकार का होता हैः–

i. **वास्तविक आत्मप्रत्ययः–**

वास्तविक आत्मप्रत्यय का संबंध व्यक्ति के कौन व क्या से होता है।

ii. **आदर्श आत्मप्रत्ययः–**

आदर्श आत्मप्रत्यय का संबंध व्यक्ति क्या बनना चाहेगा से होता है।

समस्याः–

डॉ. मुक्ता रानी रस्तोगी द्वारा निर्मित आत्मप्रत्यय स्केल की सहायता से प्रयोज्य की आत्म प्रत्यय का मापन करना।

सामग्रीः–

डॉ. मुक्ता रानी रस्तोगी द्वारा रचित आत्मप्रत्यय स्केल, मैनुअल, पेपर, पैंसिल, पैन आदि।

निर्देशः–

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आरामपूर्वक बैठाया गया। उसके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए गए तथा उसे निम्नलिखित निर्देश दिए गए तथा इस मापनी में 51 कथन है। प्रत्येक कथन मे 5 उत्तर क्रमशः पूर्णतः सहमत, असहमत, अनिर्दिष्ट, असहमत, पूर्णतः असहमत भी दिए गए है। कृप्या सावधानी पूर्वक इन कथनों को पढ़िए तथा दिए गए पाँचो उत्तरो में से आप सहमत हो उसी पर (√) का निशान लगा दीजिए तथा अगर आप पूर्णतः सहमत वाले स्थान पर सही का निशान लगा दे। अगर आप कथन के साथ केवल सहमत है तो सहमत वाले स्थान पर सही (√) का निशान लगा दें। इस प्रकार आपको कार्य पूर्ण करना है।

वास्तविक प्रक्रियाः–

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आराम पूर्वक बैठाकर उसे उपरोक्त निर्देश देने के बाद परीक्षण सामग्री से भी परिचित करवाया गया। इसके पश्चात उसे निर्देशानुसार कार्य करने के लिए कहा गया। फिर उसके बाद जब प्रयोज्य ने 10–12 मिनट में अपना कार्य पूरा कर लिया तब उससे परीक्षा सामग्री वापिस ले ली गई और ध्यानपूर्वक देखा कि प्रयोज्यय ने सभी प्रश्नों के उत्तर दे दिए है या नहीं। उसके बाद प्रयोज्य को धन्यवाद सहित विदा किया। प्रयोज्य की अनुक्रियाओं को मैनुअल में दी गई विधि के अनुसार अंक प्रदान किए गए। सकारात्मक वाक्यों के लिए पूर्णतः सहमत को 5, असहमत को 2, सहमत को 4, अनिर्दिष्ट को 3, पूर्णतः असहमत को 1 अंक दिया गया।

नकारात्मक वाक्यों के लिए अंक देने की प्रक्रिया को इसके बिल्कुल उल्टा कर दिया गया। प्रयोज्य को प्राप्त अंक परीक्षण पर 51 से 255 तक हो सकता है। इसके अलावा 10 cont के लिए भी अलग से अंक दिए गए।

परिणाम तथा व्याख्याः–

मेरे प्रयोज्य ने 105 फलांक प्राप्त किए है। मानक तालिक को देखने से यह पता चलता है कि प्रयोज्य उच्च आत्म संप्रत्यय वाला व्यक्ति है। इससे यह पता चलता है कि प्रयोज्य अपने बारे में उच्च आत्म संप्रत्यय रखता है।

निष्कर्षः–

प्रयोज्य का उच्च आत्म सम्प्रत्यय उच्च दर्जे का हैं।

EXPERIMENT-3

शीर्षकः–

Self esteem scale

परिचयः–

आत्म सम्मान सम्प्रत्यय मनोविज्ञान में एक विशिष्ट स्थान रखता है। आत्म सम्मान कार्य निष्पादन, शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियाँ मनोवैज्ञानिक विकार तथा सामाजिक अंतः क्रियाएँ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आत्म सम्मान के प्रति अभिवृति किसी वस्तु की भाँति सकारात्मक अथवा नकारात्मक या ऋणात्मक हो सकती है।

आत्म सम्मान संज्ञा उस मुल्यांक की ओर संकेत करती है जिससे व्यक्ति अपने बारे में निर्मित करता है और बनाए रखता है। आत्मसम्मान अनुमोदन की अभिवृति को अभिव्यक्त करता है और यह उस सीमा को दर्शाता है जिस सीमा तक वह अपने आपको योग्य महत्वपूर्ण सफल व कठिन काबिल समझता है। संक्षेप में हम व्यक्ति का आत्म सम्मान काबिलियत का ऐसा निर्णय है जिससे वह अपने आत्म के प्रति अभिवृतियों में व्यक्त करता है। यह एक ऐसा आत्मगत अनुभव है जिससे वाचिक, प्रतिवेदनों और व्यवहार द्वारा दूसरे व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।

आत्म सम्मान व्यक्ति की अपेक्षाकृत लंबे समय तक टिकाऊ रहने वाली विशेषता होती है। व्यक्ति का आत्म सम्मान अनुभवों के भूमिकाओं की दशाओं के अनुसार परिवर्तित हो सकती है। अनेक मनोवैज्ञानिकों ने इसे आत्म प्रत्यय के एक–एक केंद्रीय विशेषज्ञ की संज्ञा भी देते हैं। इसके विकास में दूसरे व्यक्तियों से मुल्यांकन पृष्ठपोषण तथा क्षमता सफलता, असफलता के प्रत्यक्ष अनुभवों का ज्ञान होता है। यह जीवन के प्रमुख मोड़ों पर परिवर्तित हो सकती है। जिन व्यक्तियो में आत्म सम्मान का उच्च स्तर होता है वे अपने बारे में स्पष्ट, संगत व टिकाऊ मत रखते है। इसके विपरीत निम्न आत्म सम्मान रखने वाले व्यक्ति अपने बारे में बहुत कम जानतें है। इन व्यक्तियों का आत्म सम्प्रत्यय अस्पष्ट, असंगत, अस्थिर अनिश्चित और प्रकृति का होता हैं उच्च आत्म–सम्मान वाले व्यक्तियों की तुलना में निम्न आत्म सम्मान जल्दी प्रभावित हो जाते है।

यदि उच्च आत्म सम्मान वाले व्यक्ति किसी कार्य में असफल हो जाते हैं तो वे उस कार्य को या तो अधिक जोर से करते हैं या इसका परिहार करते हैं। यदि निम्न आत्म सम्मान वाले व्यक्ति उन्ही प्रयासों को ही बनाए रखते हैं जिससे गुणवता प्रभावित होती है। उच्च आत्म सम्मान वाले व्यक्ति उचित लक्ष्यों के निर्धारण तथा अपनी इच्छाओं को पूरा करने के प्रति अधिक प्रभावपूर्ण होते है। उच्च आत्म सम्मान वाले व्यक्तियों की तुलना में निम्न आत्म सम्मान वाले व्यक्ति अपने आप दूसरो की अधिक आलोचनाएँ करते हैं।

समस्याः–

M.S. Parsad and G.P. Thakur द्वारा रचित self esteem inventory की सहायता से प्रयोज्य के आत्म सम्मान का मापन करना।

प्रयोज्य परिचयः–

Name - Rekha
Class - 12th
Sex - Female
Age - 17

सामग्रीः–

M.S. Parsad and G.P. Thakur द्वारा रचित Self esteem inventory पैन, पेपर, पैंसिल, मैनुअल, आदि।

निर्देशः–

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आरामपूर्वक बैठाया गया। उसके बाद सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए गए। इस प्रश्नावली में वक्तव्य दिए गए हैं। आप कृप्या इन्हें एक–एक करके ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक वक्तव्य के सामने सात बिन्दु में आपके लिए संभावित संकेत दिए हुए हैं। यह संकेत पूर्णतः सही लेकर पूर्णतः गलत तक फैला हुआ है। आपसे यह उम्मीद की जाती है कि उस वक्तत्य से संबंधित जो भी संकेत आपको अपने बारे में आपकी समझ में सबसे उपर्युक्त लगे, उस पर सही का निशान लगा दें। इस प्रकार प्रत्येक वक्तव्य को पढ़ते हुए प्रश्नावली के सभी वक्तव्यों का उत्तर

दें। एक वक्तव्य को पढ़ने के बाद उसका उत्तर देकर ही दूसरे वक्तव्य को पढे। अंत में कृप्या यह देखे कि आपने सभी वक्तव्यों के प्रति अपना मत व्यक्त कर दिया है।

यह प्रश्नावली केवल शीघ्र कार्य हेतु आपको दी जा रही है। अतः आपसे उम्मीद की जाती है कि आप अपने बारे में सही जानकारी देंगे आपके उत्तरो को गोपनीयता रखा जाएगा।

इस बार भी आपको वही प्रश्नावली दी जा रही है। पहली बार आपको यह समझकर उत्तर दिया था कि आप स्वंय अपने–अपने बारे में क्या सोचते हैं। प्रत्येक वक्तव्य को पढ़ने के बाद एक मिनट सोच ले कि लोगों की आपके संबंध में उस वक्तव्य के बारे में क्या राय है। उसके बाद ही उत्तर दें। उसी प्रकार से उपयुक्त उत्तर पर सही का निशान लगाकर अपने उत्तर दें।

परीक्षण प्रक्रियाः–

प्रयोज्य को परीक्षण स्थल पर आराम पूर्वक बैठाया गया। उसे परीक्षण सामग्री से परिचित करवाया गया और निर्देशानुसार कार्य करने को कहा। लगभग 5 मिनट में प्रयोज्य ने परीक्षण कार्य पूरा कर दिया। उसके पश्चात् उससे परीक्षण सामग्री वापिस ले ली गई। part I, II ध्यानपूर्वक यह देखा गया कि प्रयोज्य ने part I, II के सभी वक्तव्यों के उत्तर दे दिए हैं कि नहीं। प्रश्नावली को चेक करने के बाद प्रयोज्य के उत्तरों को मैनुअल के अनुसार स्कोर दिया गया। इसमें 17 ऋणात्मक वक्तव्यों के लिए सही को 6 अंशत– सही को 5, अनिश्चित को 4, अंशत– गलत को 3, बहुत हद तक गलत को 2, पूर्णतः गलत को 1 अंक प्रदान किया । सभी 13 नकारात्मक वाक्यों को अंक देने की प्रक्रिया को इसके बिल्कुल विपरीत कर दिया गया। इसी प्रकार यह प्रक्रिया part II के लिए भी अपनाई गई।

परिणाम तथा व्याख्याः–

मेरे प्रयोज्य का received score 146 आया है। तथा 4 socially perceived score 153 आया है। मेरा प्रयोज्य आत्म सम्मान वाला व्यक्ति है। आत्म सम्मान रखने वाले व्यक्ति सामाजिक समुहों में सक्रिय भूमिका अदा करता है।

BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT – 4

शीर्षकः–

Measurement of impulsive

परिचयः–

जब हम किसी व्यक्ति को उत्तेजन की चाह बिना सोचे–विचार तेज गति से क्रिया करके और चुनौतियों के प्रति अंधाधुंध अनुक्रिया करते हुए देखते हैं तो हम उसके व्यवहार को आवेगशील कहते हैं। कम आवेगी व्यक्तियों की तुलना में अधिक आवेगी व्यक्तियों की तुलना में अधिक धैर्य वाले कार्य, यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले, पूलिस द्वारा जल्दी बंदी बनाए जाने वाले होते हैं। बचपन में आवेगशीलता का संबंध प्रधानतः ध्यान को बनाए रखने में कठिनाई अनुभव करने से होता है। जबकि युवावस्था में इसका संबंध व्यवहार समस्याओं व मनोव्याधियों से होता है।

- Gray (1972) ने व्यक्तित्व का जैविक मॉडल प्रस्तुत किया।
- Ey senck and eysenck (1985) EPQ-R आवेगशीलता को p के एक सघंटक के रूप में उजागर किया।
- Barratt etal (1983-87) ने आवेगशीलता को सामान्य क्रिया उन्मुखता के रूप में लिया। इन्होनें इसके प्रक्रियात्मक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक को उचित स्थान दिया। उन्होंने आवेगशीलता में rapid -decision making और lack of fore site को महत्व दिया।
- Karaliska (1978) ने एक आवेगशीलता मापने का निर्माण किया जिसमें आवेगशीलता के none planning rapid decision making तथा care force behavior की प्रधानता दी गई।

  आवेगशीलता को reflection के विपरित लिया जा सकता है जो उच्च आवेगी व्यक्ति होती है। वे दृष्टि संबंधित प्रत्यक्षीकरण की माँग करने वाले कार्यो पर तेज तुरंत त्रुटिपूर्ण निष्पादन प्रदर्शित करते है। कुछ मनोवैज्ञानिकों ने बताया कि आवेगशीलता तेज गति से अनुक्रिया करने की बजाय उसे अवरोधित करनी की अयोग्यता की ओर संकेत करती है।
- Dickman (1990) ने आवेगशीलता के दो संघटकों की ओर संकेत किया है। कार्य परख आवेगशीलता तथा कुकार्य परख आवेशीलता। प्रथम प्रकार की आवेगशीलता का संबंध उन तेज अनुक्रियाओं से होता है जो उचित समझी जाती है जबकि द्वितीय प्रकार की आवेगशीलता अभीष्ट अनुक्रिया दर से अनुकूलित होने की अयोग्यता से संबंधित होती है।

  आवेगशीलता को परिभाषित करने के लिए तीन प्रकार के मॉडलों का सहारा लिया जाता है।:–

  1. व्यक्तित्व मॉडल
  2. चितवर्ती मॉडल
  3. शरीर क्रियात्मक मॉडल।

1. **व्यक्तित्व मॉडलः–**

इस मॉडल के अनुसार आवेगशीलता को एक व्यक्तित्व शीलगुण के रूप में लिया जाता है। cloninger (199) ने आवेगशीलता के लिए vovelty seeking नामक विस्तृत कारक की और संकेत किया है। वे नियमों की प्रवाह न करते हुए किसी क्षण में अनुमति के आधार पर जल्द क्रिया कर डालते है। वे उच्च आवेगी व्यक्ति होते है। Zuckerman (1991) ने बताया कि उच्च आवेगी व्यक्ति किसी कार्य को करने से पहले योजना तैयार नही करते और किसी नवीन अनुभव का उत्तेजन को अनुभव करने के लिए जल्दी ही जोखिम उठा लेते हैं।

2. **चितवर्ती मॉडलः–**

इस मॉडल के अनुसार आवेगशीलता का सीधा संबंध अवरोध की अयोग्यता से होता है। आवेगशील व्यक्ति किसी निर्णय को लेने से पहले उसके विकल्पों तथा परिणामों के बारे में भली–भाँति नहीं सोचते। ये कार्य पर लंबे समय तक मन नही लगा पाते और नवीन उत्तेजन को पसंद करने वाले होते है।

3. **शरीर क्रियात्मक मॉडल :–**

इस मॉडल के अनुसार व्यवहार की उत्पति में तीन शरीर क्रियात्मक कार्यरत होते हैः–

i. व्यवहार संकीर्यन
ii. व्यवहार अवरोधन
iii. गैर – विशिष्ट उद्वेलन।

व्यवहार संक्रियण का संबंध व्यवहार को प्रांरभ करने से होता है। व्यवहार अवरोधन का संबंध निष्क्रिय प्लायन से होता है। गैर – विशिष्ट उद्वेलन system प्रथम दोनो तंत्रो से input ग्रहण करता है और आवश्यकतानुसार इनमें से किसी एक की क्रिया को तीव्र करता है। जब शरीर क्रिया तंत्रो में गड़बड़ी आ जाती है तो व्यक्ति उच्च आवेगशीलता प्रदर्शित करता है।

- **Barratle et. al. (1993)** ने बतया कि जो व्यक्ति किसी कार्य पर लंबे समय तक ध्यान नही लगा पाते तथा मन में विचार आते ही कोई क्रिया कर डालते हैं तथा जिनमें योजना निर्माण का अभाव पाया जाता है। ऐसे व्यक्ति उच्च आवेगी होते है। इनमें आत्म नियंत्रण तथा संवेगात्मक जलीलता का अभाव होता है।
- **Problem :-**

Dr. S.N. Rai, Dr. Alka Sharma द्वारा रचित प्रयोज्य के स्वभाव का मापन करना।

प्रयोज्य परिचयः–

Name - Nisha
Age - 19th
Edu. - B.A.
Sex - Female
Cast - General

सामग्रीः–

Dr. S.N. Rai, Dr, Alka Sharma द्वारा रचित I.s. मैनुअल, पैन, पेपर etc.

निर्देशः–

आपके सामने यह एक प्रश्नावली है। इस प्रश्नावली में आपके स्वभाव को जानने के लिए कुछ कथन दिए गए है। प्रत्येक प्रश्न से संबंधित विकल्प हैं। आपके इन दोनों विकल्पों में से मेल खाता हो के सामने बने खाने पर सही यह गलत लगाना है। क्योंकि ये आपके स्वभाव को दर्शाते हैं। जैसे आप अपने बारे में स्वभाव को दर्शाते हैं वैसा ही उत्तर ईमानदारी व सावधानी से दीजिए। यदि आपको कोई बात स्पष्ट नहीं हो तो कुछ कीजिए क्योंकि कुछ ही देर में आपको कार्य आरंभ करना है। प्रश्नावली को भरते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए–

1. प्रत्येक कथन के संभावित उत्तर दिए गए है परंतु आपके लिए इनमें से कोई एक सत्य होगा उसी के सामने बने खाने पर सही को निशान लगाए।
2. अच्छी तरह पढ़ने के बाद ही प्रत्येक कथन का उत्तर दीजिए।
3. किसी भी कथन का छोड़िए नहीं। कुछ प्रश्नों का संबंध आपसे नहीं भी हो सकता है। पर आप अपना सर्वोत्तम अनुमान दीजिए।
4. केवल उन्हीं उत्तरों को अंकित करें जो व्यवहार में कहने में आपको उचित प्रतीत होते है। उसे ही पूरी सावधानी व ईमानदारी से भरिए। आपके उत्तर गोपनीय रखे जाएगें। अतः निसंकोच होकर उत्तर दें।
5. यद्यपि इस प्रश्नावली को भरने के लिए कोई निश्चित समय नहीं है। परंतु जितना शीघ्र हो सके प्रश्नावली को भरिए।

परीक्षण प्रक्रिया:–

प्रयोज्य को आरामपूर्वक बैठाया गया। उसके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित किए तथा इसके बाद उसे निर्देश समझाए गए। निर्देश समझाने के बाद प्रयोज्य ने अपना कार्य शुरू किया। उसने सभी कथनों को ध्यान पूर्वक पढ़कर प्रत्येक कथन के सामने जो उसके व्यवहार से सबसे अधिक मेल खाता हो के सामने (√) का निशान लगाया। इस प्रकार प्रयोज्य ने अपना कार्य पूरा किया। इसके बाद scoring key की सहायता से सभी कथनों की scoring करके उनका total किया गया। प्रयोग पूरा होने के बाद प्रयोज्य को धन्यवाद सहित विदा किया।

परिणाम तथा व्याख्या:–

प्रस्तुत परीक्षण का मुख्य उद्देश्य Dr. S.N. Rai, Dr. Alka Sharma द्वारा निर्मित impulsiveness scale की सहायता से प्रयोज्य आवेगशीलता का मापन करना है। table no. को देखते हुए मेरे प्रयोज्य का scroe है जो table no. 2 के अनुसार की category में आता है। इससे पता चलता है कि मेरे प्रयोज्य में आवेगशीलता स्तर की है।

GDC MEMORIAL COLLEGE
BAHAL, Distt. - Bhiwani (HARYANA)

EXPERIMENT-5

शीर्षकः–

Family Environment inventory

परिचयः–

परिवार का वातावरण बच्चों के विकास को महत्वपूर्ण ढ़ंग से प्रभावित करता है। परिवार में उपलब्ध उतेजनाएँ बच्चों के नैतिक, संवेगात्मक तथा संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करती है। परिवार के वातावरण के भौतिक तथा मनोसामाजिक पहलु बच्चों के विकास में अपना विशेष स्थान रखते हैं। परिवार का वातावरण बच्चों की स्कूली शिक्षा को महत्वपूर्ण ढगं से प्रभावित करता है। (SES) परिवार की सामाजिक व आर्थिक क्रियाएँ तथा बच्चों की स्कूली शिक्षा के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया जाता है। SES वाले परिवार के बच्चे बहुत अधिक सुविधाओं वाले स्कूल में पढ़ते है तथा घर आकर भी उत्तम सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। जिन घरों में उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहन दिया जाता है। उन घरों के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे निकल जाते हैं। इस प्रकार बच्चे की शिक्षा क्षेत्र में उन्नति न केवल उसकी वृद्धि द्वारा निर्धारित होती है बल्कि स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं व घर में उपलब्ध प्रोत्साहन से भी प्रभावित होती है। घर में उपलब्ध प्रोत्साहन से भी प्रभावित होती है। घर में बोली जाने वाली भाषा भी बच्चे की शिक्षा में प्रभावित करती हैं।

SES माता – पिता का व्यवसाय शिक्षा स्तर तथा इत्यादि जैसे चर बच्चे की शिक्षा में महत्वपूर्ण संबंध पाया जाता है। बच्चों की शिक्षा उनके माता – पिता के व्यवसाय उनकी SES शिक्षा का स्तर व जाति इत्यादि कारकों द्वारा SES प्रभावित होता पाया गया है। परंतु असावधानी से इस बात का पता चल पाया है कि वास्तव में किसी चर का कितना योगदान है। किसी चर में कैसे परिवर्तन ला करके स्कूली उपलब्धियों में परिवर्तन लाया जा सकता है। दूसरी कठिनाई यह है कि इन कारकों में जल्द परिवर्तन करना आसान कार्य नहीं है न तो हम आसानी से एक बच्चें के परिवार के SES स्तर में परिवर्तन कर सकते हैं। आधुनिक मनोवैज्ञानिक स्थिति के चरों के स्थान पर प्रक्रम चरों में रूचि लेते है। ये चर ही बच्चे के विकास के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं। घर के वातावरण से संबंधित निम्नलिखित चर शोध का विषय रहे हैं। कार्य, आदतें, शैक्षणिक निर्देशन व समर्थन इस्तेमाल होने वाले भाषा आक्षाएँ तथा उम्मीदें, सक्रीयता, स्वतंत्रता, उत्तेजना माता–पिता के साथ अंतः क्रिया पूनर्वलन तथा दण्ड संवेगात्मक अनुभव संघर्ष स्वीकृति एंव देखभाल, मनोरंजन, खेलकुद इत्यादि चर बच्चे के शैक्षणिक उपलब्धि को किस प्रकार प्रभावित करते है। आदि का अध्ययन किया जाता है।

समस्याः–'

Dr. Harpreet Bhatia and N.K. chadha द्वारा रचित family environment प्रयोज्य द्वारा प्रत्यक्षीकरण की सहायता से अपने परिवार के वातावरण का मापन करना।

Subject Particular:-

Name - Renu

Age - 19 years

Sex - Female

Material to be used:-

Dr. Harpreet Bhatia and Dr. N.K. Chadha द्वारा रचित Family Environment Scale, booklet, Manual, Paper, pen, pencil etc.

परिचयः–

इस पुस्तिका में कुछ कथन दिए गए है जो कि आपके परिवार से संबंधित हैं आपको यह तय करना है कि इनमें से कौन सा कथन आप या आपके परिवार पर कितने मात्रा उपर्युक्त है और उसी के अनंसार प्रत्येक के सामने बने पाँच खानों में से आपको किसी एक पर (√) का निशान लगाना है। यदि आप महसुस करते है कि आपका कथन बिल्कुल सहमत है तो उसके सामने वाले खाने में सही का निशान लगा दें। अनिश्चित है तो उसके सामने वाले खाने में (√) का निशान लगाएँ। आपके परिवार के बारे में सामान्य जानकारी दें। किसी भी कथन का कोई सही या गलत उत्तर नहीं है। आपके प्रत्युत्तरों को गोपनीय रखा जाएगा। अतः प्रत्येक कथन के संबंध में अपने विचार दें तथा सभी कथनों के उत्तर दें।

Procedure:-

उपर्युक्त निर्देश देने के पश्चात् प्रयोज्य से परीक्षण कार्य आरंभ करवाया जाए। प्रयोज्य ने सभी 69 कथनों को पढ़कर सभी के उत्तर दिए। परीक्षण कार्य पूर्णतः होने के पश्चात् प्रयोज्य को धन्यवाद सहित जाने दिया गया। इसमें 69 कथनों की 8 subscale बनाई गई जो इस प्रकार है।

Conesion, Expressiveness, Conflict, Acceptance and Carring, Active Recreational Orientation, Indepence, Organization, Control, Sub Scale Positive and Negative सभी के लिए वाक्य दिए हुए है। positive के लिए scoring बिल्कुल सहमत को 5, सहमत को 4, तटस्थ को 3, असहमत को 2, तथा बिल्कुल असहमत को 1 दिया जाएगा। ऋणात्मक वाक्यों के लिए यह प्रक्रिया इसके विपरीत कर दी गई। इस प्रकार सभी sub scale की scoring की गई।

Result & Discussion:-

मेरे प्रयोज्य का scroe हैं Conersion – 58, Expressiveness – 28, Conflict – 53, Acceptance & caring – 48, Indepandance – 33, Active Recreational orientation -34 organization – 8 or control – 16 मेरा यह प्रयोज्य मिल–जुल के कार्य करने, भावना बताने में organization स्वीकृति और देखभाल मनोरंजन किया आदि scales में सामान्य है। निर्णय लेने की क्षमता मेरे प्रयोज्य की है। आजादी के मामले में भी वह high quality रखता है।

Table No. 1

Sr. No.	Construct
1.	Health & sex appropratuness
2.	Abilities
3.	Say confidence
4.	Self acceptance
5.	Wearthiness
6.	Present, past, future
7.	Belief and conictions
8.	Feeling f same and ciuilt
9.	Sociabilities
10.	E mations